भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1098

गुरूवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पर्यटन परियोजनाएँ

1098 डा. फौजिया खान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों में महाराष्ट्र में विकसित पर्यटन स्थलों की संख्या और उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) 2020 से महाराष्ट्र में प्रस्तावित प्रमुख पर्यटन परियोजनाएं, उनकी वर्तमान स्थिति और चल रहे कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) केंद्र सरकार के पास महाराष्ट्र राज्य सरकार के कितने प्रस्ताव लंबित हैं, उनमें देरी के क्या कारण हैं; और

(घ) पर्यटन परियोजनाओं में तेजी लाने और लंबित प्रस्तावों का निपटान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) नामक अपनी योजना के तहत पर्यटन संबंधी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अब पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है। उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृति हेतु परियोजनाओं पर विचार करना एक सतत प्रक्रिया है। उक्त सहायता संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर और योजना दिशा-निर्देशों एवं सरकार द्वारा जारी अनुदेशों के अनुपालन, बजट की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन प्रदान की जाती है। महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रशाद और एसडी 2.0 नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना की चुनौती आधारित गंतव्य विकास नामक उप-योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में संस्कृति और विरासत गंतव्य की श्रेणी के अंतर्गत 'अहमदनगर' सहित देश में 42 स्थलों को चिह्नित किया है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय स्वीकृत पर्यटन परियोजनाओं में तेजी लाने और लंबित प्रस्तावों का समाधान करने के लिए राज्य सरकारों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करता है।

भारत सरकार ने अपनी 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत, वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिसमें महाराष्ट्र राज्य में निम्नलिखित परियोजनाएं शामिल हैं:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1	पूर्व-आईएनएस गुलदार अंतर्जलीय संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान, और पंडुप्पी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91
2	नासिक में “राम काल पथ” का विकास	99.14

*****

अनुबंध

डा. फौजिया खान द्वारा महाराष्ट्र में पर्यटन परियोजनाएँ के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1098 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन, प्रशाद और एसडी 2.0 नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

स्वदेश दर्शन योजना

परिपथ/स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
तटीय परिपथ 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभव का विकास	19.06
आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	वाकी- अदासा- धापेवाड़ा- पारदसिंघा- तेलनखंडी- गिराड का विकास	45.47

प्रशाद योजना

स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
2017-2018	त्र्यंबकेश्वर का विकास	42.18

स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) योजना

स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
2024-25	पुणे में 'शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क-चरण 3'	76.22

एसडी2.0 योजना परियोजनाओं के संबंध में अभी तक कोई यूसी प्राप्त नहीं हुई है।

*****